लाइब्रेरी में छात्रों से मारपीट मामले में पांच जने शांतिभंग में गिरफ्तार

- लाइब्रेरी में हुई मारपीट को लेकर पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा मंडावा पहुंचे
- पुलिस थाना, एसडीएम कार्यालय के बाहर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की

मंडावा, (निसं)। कस्बे में नेमीनाथ मार्केट स्थित एक लाइब्रेरी में बुधवार को पढ़ने वाले छात्रों को मारपीट के मामले को लेकर पुलिस ने लाइब्रेरी संचालक की शिकायत पर पांच आरोपियों को शांतिभंग में गिरफ्तार किया, जिसमें एक मंडावा थाने का हिस्ट्रीशीटर एवं उसका भाई पार्षद भी शामिल था।

मामले को लेकर पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने मंडावा पहुंच कर छतरियों के पास बैठक कर पार्षद सत्तार खान को गलत गिरफ्तार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों को बिना जांच के गिरफ्तार करना गलत बात है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री गुढ़ा ने समुदाय विशेष के साथ बैठक कर पुलिस प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन को दोनों पक्षों की बातें सुननी चाहिए। बैठक के पश्चात गुढ़ा पुलिस थाने पहुंचे जहां पर पार्षद के समर्थकों के साथ पुलिस थाने के सामने नारेबाजी कर विरोध जताया।

पार्षद समर्थकों के साथ पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने सैंकड़ों समर्थ को के साथ एसडीएम कार्यालय के बाहर पहुंचकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर पांच सदस्य प्रतिनिधिमंडल द्वारा मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के नाम का ज्ञापन मंडावा एसडीएम को सौंपा गया। ज्ञापन में मांग की गई की लाइब्रेरी में कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा मोहल्ले की बहन बेटियों को परेशान किया जा रहा था। कई बार इस संबंध में संचालक से समझाइस भी की गई। लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ।

बुधवार को मोहल्ले के कुछ लोग इन्हें समझाने के लिए गए। उनके साथ भी लाइब्रेरी के छात्रों ने झगड़ा किया। इस झगडे में पुलिस द्वारा मोहल्लेवासियों के खिलाफ एक तरफा कार्रवाई की गई। जो सरासर गलत है। दोनों पक्षों को समान रूप से सुनवाई का अवसर देते हुए न्याय पूर्वक कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन देने वालों में पार्षद अनीश, अयूब भाटी, इरफान व सलीम आदि मौजूद थे। मंडावा थानाधिकारी रामनिवास ने बताया कि गुरुवार को शांतिभंग में गिरफ्तार पांचों जनों को उपखंड मजिस्ट्रेट मंडावा के समक्ष पेश किया गया। जिनको जमानत स्वीकार की गई। तत्पश्चात पुलिस ने पांचों जनों को प्रकरण में बाद अनुसंधान में गिरफ्तार कर लिया गया है। एसएचओ रामनिवास ने बताया कि गिरफ्तार अनवर थाने का हिस्ट्रीशीटर है। वहीं पार्षद सत्तार पर भी पांच-छह मुकदमे दर्ज हैं।

वार्षिकोत्सव मनाया

रतनगढ़ (निसं)श्री ढांढण शक्ति सेवा समिति के 48 वें वार्षिकोत्सव पर स्थानीय अग्रसेन भवन में आयोजित भजन संध्या में गायकों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया।आयोजन समिति के अनिल भरतीया ने बताया कि सुगंधित पुष्पों से सुसज्जित टीडा गेला मैया के दरबार में पंडित प्रवीण माटोलिया द्वारा मंत्रोच्चार के बीच जयप्रकाश भरतीया व महेश भरतीया द्वारा ज्योत प्रज्ज्वलित की गई। भजन संध्या में पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवा, विधायक पूसाराम गोदारा, पालिकाध्यक्ष अर्चना सारस्वत, पूर्व पालिकाध्यक्ष संतोष कुमार इंदौरिया, कांग्रेस नेता हेमंत सारस्वत आदि का समिति द्वारा विशिष्ट अतिथि के रूप में अभिनंदन किया गया। स्थानीय गायक राजकुमार मंगलहारा की गणेश वंदना से शुरू हुई भजन संध्या में कोलकाता के गायक नवीन जोशी, मोनू मोर,मूलचंद बजाज नेभजनों से खूब रंग जमाया।

उन्होंने मैया की चुनरी, मेहंदी और गजरे के भजनों पर सभी को थिरकने पर मजबूर कर दिया। भावुक दादी भक्तों के न दादीजी के दरबार की भव्य और मनमोहक सजावट तथा गंगा, जमुना, सरस्वती के संगम पर सजाई छप्पन भोग की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इस अवसर पर समाजसेवी मनोज जोशी, अरुण रामगढ़िया, सुरेश मुरारका, गायकार एस पी वर्मा, बालकृष्ण धर्ड, प्रकाश सोनी, पवन सराफ, रोनक बाजोरिया,विजय सराफ, हिमांशु सराफ, श्याम सराफ पारस सराफ सहित बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

नीमकाथाना जिला हटाये जाने के विरोध में धरना जारी

पाटन (निसं)। नीमकाथाना जिला बनाने की मांग को लेकर 24 वें दिन भी हड़ताल जारी रहा जिसमें भूख हड़ताल पर बैठे लोगो को माला पहनाकर रामजीलाल सैनी हेमराजपुरा, पूर्व सरपंच हरि सैनी धांधेला, नीरूराम सेनी हेमराजपुरा, रामेश्वर सैनी स्यालोदड़ा, प्रकाश सैनी हेमराजपुरा को माला पहनाकर धरने पर बैठया।

जिला अध्यक्षा सुनिता गठाला ने क्रामिक भूख हड़ताल पर पहुचकर धरने पर बैठे लोगो से मुलाकात की। इसके साथ ही उन्होंने नीमकाथाना और सीकर संभाग को हटाने के निर्णय के खिलाफ राज्य सरकार को चेतावनी दी। सुनीता ने कहा कि अगर सरकार ने इस निर्णय को वापस नहीं लिया, तो आंदोलन को तेज करेंगे। उन्होंने सरकार से मांग की कि जिला नीमकाथाना और सीकर संभाग को हटाने के फैसले को वापस लेवे।

सुनीता गठाला ने आगे कहा कि नीमकाथाना जिला अपने पूरे माप दण्ड पूरा करता था। राज्य सरकार मांगों का समाधान नहीं करती है तो जनता एकजुट होकर बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि नीमकाथाना और सीकर संभाग के मुद्दे पर सरकार को जनभावनाओं का सम्मान करना चाहिए, क्योंकि इससे जनता हितों पर असर पड़ेगा। सुनीता गठाला ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने इस निर्णय को वापस नहीं लिया, तो आने वाले समय में धरने और आंदोलनों का दायरा और भी बढ़ेगा। उन्होंने नीमकाथाना की जनता से भी अपील की कि वे शांतिपूर्वक अपने संघर्ष जारी रखें।

विभिन्न राजनीतिक दलो और समाज के प्रमुख व्यक्तियों ने भी अपनी आवाज उठाई और नीमकाथाना जिले को फिर से बहाल करने के लिए संयुक्त संघर्ष का संकल्प लिया। जनसभा में यह संदेश साफ था कि यह मुदा सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि जनता का अधिकार और उनका भविष्य है।

सचिव जिला कांग्रेस कमेटी तनसुख ओला, धर्मेन्द गठाला, एडवोकेट महेन्द्र प्रताप, कांतप्रसाद शर्मा ,भागूराम सैनी, राजेन्द्र महराणिया, राजपाल डोई, सरपंच सुरेश खैरवा प्रवीण जाखड़ ने संबोधित किया।धरने पर बैठे लोगो में जोश देखा गया और उनकी एकजुटता में निरंतर बढोतरी हो रही है।

कई प्रमुख नेता भी इस आंदोलन के समर्थन मे सामने आए है, जिससे आंदोलन को और अधिक मजबूती मिल रही है। लोग अब इस संघर्ष को सिर्फ एक पेशेवर मुद्दा नहीं, बल्कि एक जनांदोलन के रूप में देख रहे है। जमनालाल यादव, ताराचंद यादव, सुगनचंद निमोद, महेश मेगोतिया, नंदू सैनी आदि ने अपना समर्थन दिया है।

पराक्रम दिवस मनाया

डूंडलोद, (निसं)। डूंडलोद पब्लिक स्कूल डूंडलोद में नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में पराक्रम दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय सचिव बीएल रणवां एवं प्राचार्य जी. प्रकाश ने नेताजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। प्राध्यापक अशोक सैनी ने नेताजी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। प्राचार्य जी. प्रकाश ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि नेताजी साहसी और स्वतंत्रता के प्रति अति उत्साहित नेता थे। उनके लिए राष्ट्र सर्वोपरी था। उन्होंने राष्ट्रभक्ति एवं स्वतंत्रता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए बर्लिन में फ्री इंडिया सेंटर की स्थापना की और आजाद हिंद रेडियो की शुरूआत कर स्वतंत्रता आंदोलन को आगे बढ़ाया। तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा... उनका यह नारा राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्वता कर्तव्य और जिम्मेदारी का अहसास कराता है। विद्यालय सचिव बीएल रणवां ने मार्गदर्शन करते हुए कहा कि नेताजी का राष्ट्रवाद मानव जाति के उच्चतम आदर्शों सत्यम, शिवम और सुंदरम से प्रेरित था। नेताजी के इसी राष्ट्रवाद ने उन रचनात्मक शक्तियों का जगाया, जो सदियों से भारतीयों में निष्क्रिय थी। नेताजी केवल एक क्रांतिकारी नेती ही नहीं थे। बल्कि एक ऐसे विचारक थे। जिन्होंने भारतीय युवाओं को अपने सपनों को बड़ा करने और उनके लिए संघर्ष करने का जज्बा पैदा किया।कार्यक्रम में विद्यालय संचालन समिति के सदस्य राहुल रणवां, उप प्रधानाचार्य डी. लाल, प्रभारी रेखा स्वामी, सुमनलता आदि उपस्थित थे।